>

Title: Need to formulate an integrated irrigation scheme with rivers like Dhadhar, Tilayya, Upper Sakari, Dhananjay etc. in drought prone district of Nawada in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): अध्यक्ष महोदया, अपर-सकरी, ढाढर-तिलैया, धनंजय आदि नदियां बिहार के नवादा जिले में शरीर की धमनियों की तरह हैं जिससे ताल-तलैया जीवित हैं। ये नामित नदियां नवादा, गया, बरबीघा, शेखपुरा जिले को अभिसिक्त करती रहती हैं। अपर-सकरी को बिहार के प्रथम मुख्य मंत्री ने नहरें निकालने का कदम उठाया था जिससे वारसलीगंज का भू-भाग आज भी सिंचित हैं, पर यह योजना आज भी अधूरी पड़ी हैं। इसके पश्चिमी हिस्से में बिहार सरकार बकसोती योजना का डी.पी.आर. तैयार कर, मंत्रिपरिषद से स्वीकृति देकर केन्द्र के पास निधि के लिए एक वर्ष पूर्व ही भेजा है जिस पर कार्यान्वयन की प्रतीक्षा की जा रही है।

ढाढर-तिलैया नवादा, गया के हजारों एकड़ जमीन को सिंचित करने की एक बड़ी योजना है जिस पर कार्यवाही के कदम भी उठे और यह योजना भी 800 करोड़ रुपये की है जिसमें तिलैया नदी से पानी को लिफ्ट करना होगा पर इधर तिलैया नदी को इस योजना से हटाने की साजिश हो रही है। यदि ऐसा हुआ तो यह योजना ही समाप्त हो जाएगी और इस पर करोड़ों खर्च हुए रुपये बेकार हो जाएंगे।

अत: मैं केन्द्र से मांग करता हूं कि वह ढाढर, तिलैया, अपर-सिकरी, धनंजय नदियों की समेकित रूप से एक बृहत योजना की रूपरेखा तैयार करे और इस शाश्वत, क्रोनिक सुखाड़ जिला नवादा के अस्तित्व और विकास के रास्ते को प्रशस्त करे। धन्यवाद।

श्री पन्ना लाल पुनिया: अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको माननीय सांसद डा. भोला सिंह जी द्वारा उठाये गये विषय से सम्बद्ध करता हूं।